<u>पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की</u>
<u>18वीं पुण्यतिथि पर आतंकवाद विरोधी शपथग्रहण</u>

आज दिनांक 21 मई, 2009 को केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल के सभागार में संस्थान के निदेशक डा. गुरबचन सिंह द्वारा समस्त स्टाफ को पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न दिवंगत श्री राजीव गांधी की 18वीं पुण्यतिथि पर आतंकवाद विरोधी शपथ ग्रहण कराई गई।

इस अवसर पर निदेशक ने कहा कि हम भारतवासी अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखते हैं तथा निष्ठापूर्वक शपथ लेते है कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे। हम मानवजाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली तथा विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की भी शपथ लेते है। डा. गुरबचन सिंह ने कहा कि भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गाांधी ने देश के नवनिर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे एक स्वप्न दृष्टा एवं महान दूरदृष्टा थे। स्वर्गीय गांधी एक युवा एवं महिला सशक्तिकरण के प्रबल समर्थक, प्रजातन्त्र में गहरी निष्ठा रखने वाले व्यक्ति थे। उनका स्वप्न था कि भारत मजबूत, स्वतन्त्र, आत्मनिर्भर और मानवता की सेवा करने वाला राष्ट्र हो। स्वर्गीय श्री गांधी द्वारा पंचायती राज, ग्रामीण विद्युतीकरण, देश में कम्प्यूटर क्रान्ति लाना, परिवार बीमा योजना, खेल स्टेडियम एवं छात्रवृत्ति योजना, पेयजल बढ़ोत्तरी आदि कई योजनायें आरम्भ की गई। निदेशक ने कहा कि हमें उनके बताये हुए रास्ते पर चलना चाहिए। निदेशक ने कहा कि आईये हम सब श्री राजीव गांधी की पूण्यतिथि पर मन, वचन एवं कर्म से उनके सपनों का भारत बनाने का संकल्प लें यही सही अर्थों में उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर संस्थान कर्मियों द्वारा दिवंगत श्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देने हेतु दो मिनट का मौन भी रखा गया।